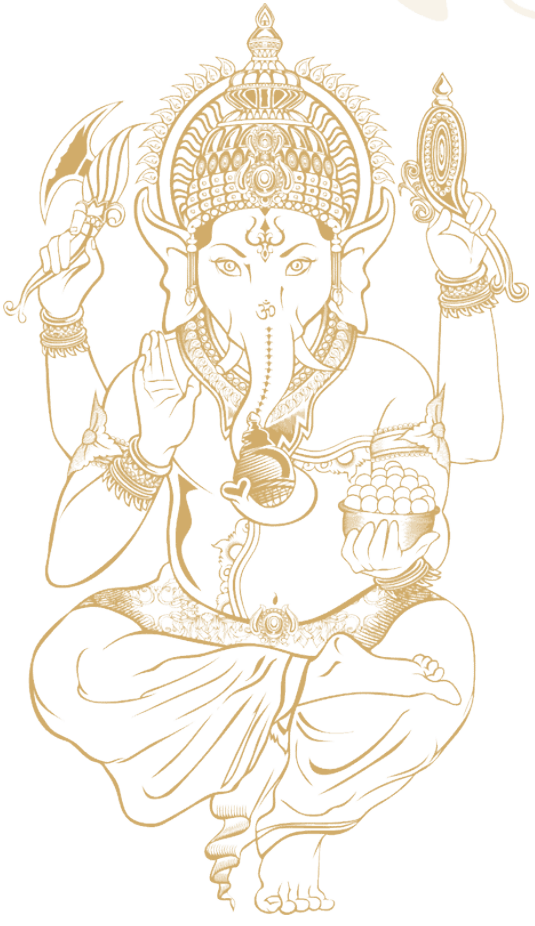

Mr.khshboo

07 Aug 1998

03:22 AM

Jhunjhunu

Model: web-freekundliweb

Order No: 119709506

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/08/1998**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**03:22:00 घंटे**
इष्ट	53:42:42 घटी
स्थान	**Jhunjhunu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:05:00 उत्तर
रेखांश	75:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:54:00 घंटे
वेलान्तर	-00:05:55 घंटे
साम्पातिक काल	23:54:55 घंटे
सूर्योदय	05:52:55 घंटे
सूर्यास्त	19:14:24 घंटे
दिनमान	13:21:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	20:23:16 कर्क
लग्न के अंश	17:01:37 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	प्रीति
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:01:37	317:48:24	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	20:23:16	00:57:28	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	05:13:33	13:38:16	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
मंगल			मिथु	27:08:37	00:39:14	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध	व	अ	सिंह	02:27:07	00:34:06	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	03:35:07	00:03:48	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			मिथु	28:16:24	01:12:57	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मेष	09:43:27	00:00:56	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु	व		सिंह	07:39:20	00:02:01	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	07:39:20	00:02:01	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	16:47:13	00:02:23	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	06:33:36	00:01:34	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:29:05	00:00:18	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	04:46:27	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:08

लग्न-चलित

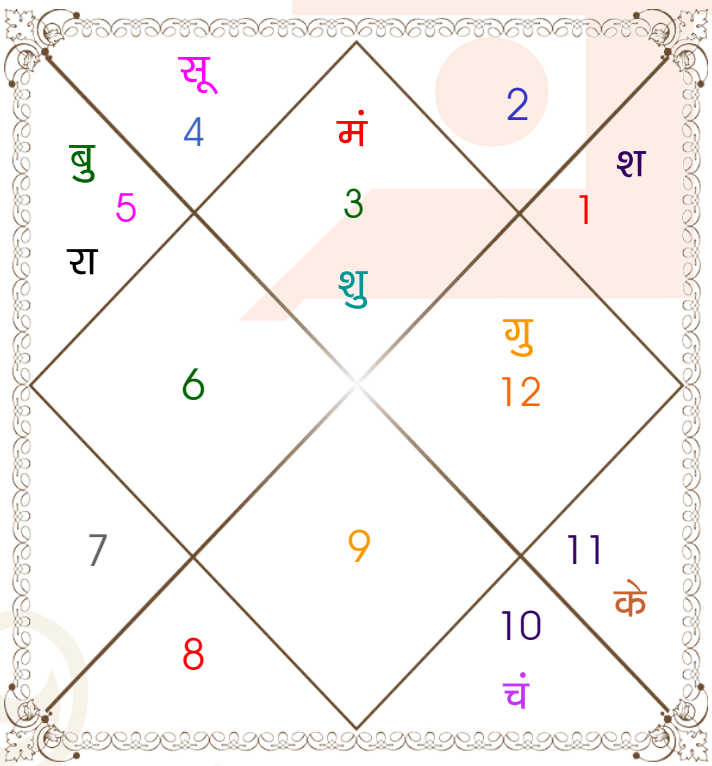

चन्द्र कुंडली

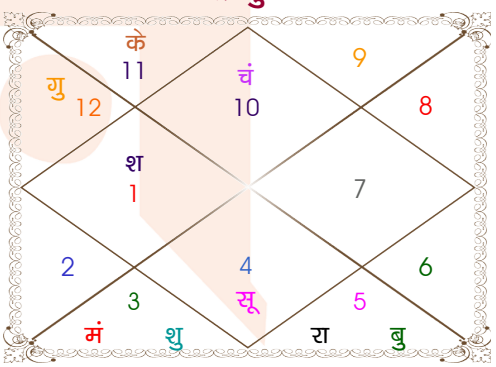

नवमांश कुंडली

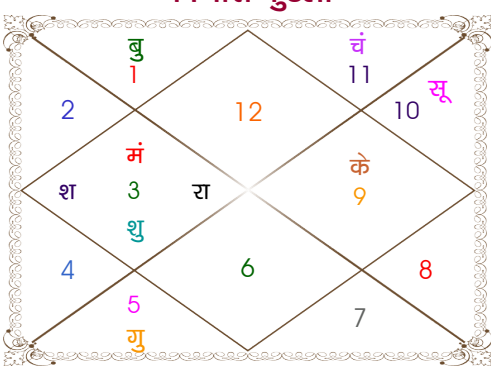

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 1 मास 23 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/08/1998		29/09/2000		30/09/2010		30/09/2017		30/09/2035	
29/09/2000		30/09/2010		30/09/2017		30/09/2035		30/09/2051	
	00/00/0000	चंद्र	31/07/2001	मंगल	26/02/2011	राहु	12/06/2020	गुरु	17/11/2037
	00/00/0000	मंगल	01/03/2002	राहु	15/03/2012	गुरु	05/11/2022	शनि	31/05/2040
	00/00/0000	राहु	31/08/2003	गुरु	19/02/2013	शनि	11/09/2025	बुध	05/09/2042
	00/00/0000	गुरु	30/12/2004	शनि	31/03/2014	बुध	31/03/2028	केतु	12/08/2043
	00/00/0000	शनि	31/07/2006	बुध	28/03/2015	केतु	18/04/2029	शुक्र	12/04/2046
	07/08/1998	बुध	30/12/2007	केतु	25/08/2015	शुक्र	18/04/2032	सूर्य	30/01/2047
बुध	25/05/1999	केतु	30/07/2008	शुक्र	24/10/2016	सूर्य	13/03/2033	चंद्र	31/05/2048
केतु	30/09/1999	शुक्र	31/03/2010	सूर्य	01/03/2017	चंद्र	12/09/2034	मंगल	06/05/2049
शुक्र	29/09/2000	सूर्य	30/09/2010	चंद्र	30/09/2017	मंगल	30/09/2035	राहु	30/09/2051

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
30/09/2051		30/09/2070		30/09/2087		30/09/2094		01/10/2114	
30/09/2070		30/09/2087		30/09/2094		01/10/2114		00/00/0000	
शनि	03/10/2054	बुध	25/02/2073	केतु	26/02/2088	शुक्र	29/01/2098	सूर्य	18/01/2115
बुध	12/06/2057	केतु	23/02/2074	शुक्र	27/04/2089	सूर्य	30/01/2099	चंद्र	20/07/2115
केतु	22/07/2058	शुक्र	24/12/2076	सूर्य	02/09/2089	चंद्र	30/09/2100	मंगल	25/11/2115
शुक्र	20/09/2061	सूर्य	30/10/2077	चंद्र	03/04/2090	मंगल	30/11/2101	राहु	19/10/2116
सूर्य	02/09/2062	चंद्र	31/03/2079	मंगल	30/08/2090	राहु	30/11/2104	गुरु	07/08/2117
चंद्र	03/04/2064	मंगल	28/03/2080	राहु	18/09/2091	गुरु	01/08/2107	शनि	20/07/2118
मंगल	13/05/2065	राहु	15/10/2082	गुरु	24/08/2092	शनि	01/10/2110	बुध	08/08/2118
राहु	19/03/2068	गुरु	20/01/2085	शनि	03/10/2093	बुध	01/08/2113		00/00/0000
गुरु	30/09/2070	शनि	30/09/2087	बुध	30/09/2094	केतु	01/10/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 1 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।